

वैसर्गिक वि. (तत्.) विसर्ग-संबंधी, विसर्जन करने योग्य, त्यागने योग्य, त्याज्य।

वैसलीन स्त्री. (अं.) पेट्रोलियम से बना एक लेप।

वैसा वि. (देश.) उस तरह का, उसके जैसा, उसके समान, उस प्रकार का अव्य. उस प्रकार, उस प्रकार से।

वैसादृश्य पुं. (तत्.) सदृशता का अभाव, असमानता, विषमता, विसदृशता।

वैसिक पुं. (तद्.) वैशिक, वेश्या-संबंधी।

वैसियै स्त्री. (देश.) वैसी ही, उसी प्रकार की क्रि.वि. उसी प्रकार से।

वैसे वि. (देश.) उस तरह का, वैसा, उस प्रकार का क्रि.वि. उस प्रकार से।

वैहारिक वि. (तत्.) जिसके साथ मजाक किया जा सके, विहार संबंधी, विहार का, विहार में उपयोगी।

वो सर्व. (देश.) वह।

वोऊ पुं. (देश.) वह ही, वह भी।

वोक पुं. (देश.) ओर, तरफ।

वोख स्त्री. (देश.) ओक, अंजलि।

वोट पुं. (अं.) किसी चुनाव में दी जाने वाली राय, मत।

वोटर पुं. (अं.) वह जो किसी चुनाव में राय देता हो, मतदाता।

वोटिंग स्त्री. (अं.) किसी चुनाव आदि के लिए वोट या मत डालना या लेना, मतदान।

वोदर पुं. (देश.) उदर, पेट।

वोर स्त्री. (तद्.) ओर, तरफ।

वोल पुं. (तत्.) एक गंध द्रव्य, रसगंध, गुग्गुल।

वोल्ट पुं. (अं.) विद्युत की इकाई, बिजली मापन की एक इकाई।

वोल्लाह पुं. (तत्.) घोड़े की एक प्रजाति जिसकी दुम और अयाल के बालों का रंग पीला होता है।

वोस स्त्री. (देश.) ओस, हिमकण, तुहिन।

वोहित पुं. (तत्.) पोत, जहाज, जलयान, नौका, बड़ी नाव।

वोहित्य पुं. (तत्.) पोत, जलयान।

व्यंग/व्यंग्य पुं. (तत्.) 1. शब्द की व्यंजना शक्ति से प्राप्त अर्थ, सांकेतिक या गूढ़ एवं छिपा अर्थ, व्यंग्यार्थ 2. किसी को चिढ़ाने, अपमानित, दुखी करने के लिए कही जाने वाली प्रयोजनपूर्ण बात 3. ताना, कटाक्ष, चुटकी।

व्यंगुल पुं. (तत्.) एक प्राचीन माप एक अंगुल का साठवाँ भाग।

व्यंग्यार्थ पुं. (तत्.) काव्य. शब्द की व्यंजना शक्ति से प्राप्त अर्थ, सांकेतिक अर्थ, गूढ़ार्थ।

व्यंजक वि. (तत्.) 1. व्यक्त, प्रकट करने वाला, भाव या अर्थ बताने वाला 2. ऐसा शब्द जो व्यंजना द्वारा अर्थ प्रकट करता हो, गूढ़ार्थ सूचक शब्द 3. मन का भाव प्रकट करने वाली चेष्टा।

व्यंजन पुं. (तत्.) 1. प्रकट करना, स्पष्ट करना 2. चिह्न, निशान 3. पकाकर तैयार किये गये खाद्य पदार्थ, पकवान 4. वर्णमाला का वह वर्ण जिसका पूर्ण उच्चारण बिना स्वर की सहायता के न किया जा सके उदा. 'क' से 'ह' तक के वर्ण।

व्यंजन-तालिका स्त्री. (तत्.) 1. होटल आदि में परोसे जाने वाली खाद्य वस्तुओं की सूची, व्यंजनिका 2. वर्ण सूची (क से ह तक)।

व्यंजन-संधि स्त्री. (तद्.) व्या. संधि का एक भेद, समीपस्थ व्यंजनों का मिलकर एक नया रूप बनाना जैसे- जगत्+निवास=जगनिवास।

व्यंजना स्त्री. (तत्.) काव्य. शब्द की तीन शक्तियों (अभिधा, लक्षणा और व्यंजना) में से एक शक्ति व्यक्त करने की क्रिया, भाव, शक्ति, अभिव्यक्ति, व्यंग्यार्थ, गूढ़ार्थ, संकेतार्थ निहितार्थ।